...(व्यवधान)...आप सुन तो लीजिए। नियम 388 में यह लिखा हुआ है :-

"कोई सदस्य, अध्यक्ष की सम्मति से, प्रस्ताव कर सकेगा कि सभा के समक्ष किसी खास प्रस्ताव पर किसी नियम का लागू होना निलम्बित कर दिया जाये और यदि प्रस्ताव स्वीकृत हो जाये तो वह प्रासंगिक नियम उस समय के लिए निलम्बित कर दिया जायेगा।"

अध्यक्ष महोदय : अगर 'हो जाये तो'।

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : "Any member may, with the consent of the Speaker, move that any rule may be suspended...."

It says : "with the consent of the Speaker". Speaker's consent is not given. Mr. Yadav.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : Nothing is going on record without my permission. That is my standing order.

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : यह गलत बात है, आप बैठिये।

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Coal Extraction Project for Farakka and Kahalgaon

*101. SHRI D.P. YADAV : Will the Minister of ENERGY be pleased to state :

(a) whether the coal extraction project for Farakka and Kahalgaon Super Thermal Power Station has started functioning in Hurra, Lalmatia and other coal bearing areas of Rajmahal hills;

(b) if so, the salient features thereof, and the progress of work done so far ;

(c) whether the Minister for Energy has visited this site, recently to see the progress of work ; and

(d) what is the total area acquired for the "operation coal extraction" for Farakka and Kahalgaon Super Thermal Power Station ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN) : (a) and (b). Rajmahal coal project work has started at Lalmatia for supply of coal to Farakka Super Thermal Power Station. The prospecting work for supply of coal to Kahalgoan Super Thermal Power Staion is in progress.

Rajmahal project was sanctioned by Government on 2nd August, 1980 for an estimated cost of Rs. 87·49 crores to achieve a target production of 5·00 million tonnes by the year 1987-88. Construction of surface infrastructure like, electric supply, water supply, construction of field office etc. is in progress and requisite manpower has also been posted.

(c) Yes, Sir.

(d) Under the Coal Bearing Areas (Acquisition & Development) Act, 1957, about 1932 acres of land have been notified, for acquisition. Further area will be acquired as and when required.

MR. SPEAKER : Nothing will go on record without my permission.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : We have already allowed it. Then the Discussion on the President's Address is on.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : Why are you trying to waste the time of the House ?

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : आप अगर हाउस में क्वेश्चन आवर नहीं चाहते हैं और इसी तरह से टाइम.....

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : वह तो मैंने पहले भी कह दिया।

MR. SPEAKER : Nothing, nothing.

(व्यवधान)**

PROF. MADHU DANDAVATE : You do not give your ruling.

MR. SPEAKER : Not allowed.

**Not recorded.

अध्यक्ष महोदय : यह अच्छा नहीं लगता ।

There is no question. I have already given my ruling.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : When I am on my legs you are not supposed to speak. Please sit down. I am also convinced that the points you want to make can be brought out in the discussion here.

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : मैं कुछ नहीं करने जा रहा हूं यह आपका हाउस है, जैसे मर्जी हो चलाइये ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : आपका अकेले का नहीं है ।

(व्यवधान)**

MR. SPEAKER : I am not going to do it.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : Nothing will go on record without my permission.

(*Interruptions*)**

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : On Friday, last week, the Minister of Parliamentary Affairs and the Minister of State for Home Affairs were very much concerned about this matter.

MR. SPEAKER : We had allowed it.

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : We would like to know whether he has made any concrete proposal for holding a discussion on this matter. Let us take the sense of the House.

MR. SPEAKER : Even the Minister had intervented.

I had allowed that thing.

(*Interruptions*)

PROF. MADHU DANDAVATE : Don't give you Ruling on this now. We accept your ruling on the question hour. We do not want to disturb the question hour. But do not give a final ruling that you will not allow any discussion at all.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : I never say that I debar any discussion. I had already allowed it.

श्री मनीराम बागड़ी : . . .**

MR. SPEAKER : Nothing will go on record.

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : आप हमको करने दीजिए । आप बैठ जाइए । बस-बस अब हो गया । आप बैठ जाइए । अति सर्वत्र वर्जयेत ।

(व्यवधान)**

MR. SPEAKER : I have not allowed. This will not go on record.

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : आप उत्तेजित होकर बात करते हैं । पहले तो आप प्रेसीडेंट एड्रेस पर बोलिए ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मैं गम्भीरता से ले रहा हूं । आप बैठ जाइये, हम बात कर लेंगे । बहुत हो गया ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : बाद में करेंगे । अगर आपको मेरी मजबूरी का पता हो कि हम को क्या क्या करना है और कितना समय हमारे पास है तो आप ऐसे नहीं करेंगे ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : आइये बात करेंगे ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : कई दफा 388 में आया है ।

(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : मैं गम्भीरता को समझता हूं और इसका समाधान भी करूंगा ।

आप बैठ जाइये ।

**Not recorded.

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम करेंगे आप बैठ जाइए ।

श्री राम विलास पासवान : आप 12 बजे इस पर कुछ कहेंगे ?

अध्यक्ष महोदय : मैं आपसे सलाह करूंगा बुला कर के । I will talk to you.

(व्यवधान)

आप मेरी बात नहीं मान रहे हैं तो कैसे आप चलेगा ।

SHRI GEORGE FERNANDES : You remember the other day when there was a meeting of the party leaders, this matter came up. You yourself expressd concern and the Minister also expressed concern. Will you please call a meeting of the party leaders and have this matter started out?

MR. SPEAKER : Did not I allow it that very day ? कल बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हो रही है ।

SHRI GEORGE FRENANDES : My suggestion is that you call a meeting of the party leaders and then let us find some way in which the entire House can express itself on this matter. It is not a call attention issue or an issue on the President's Address debate.

श्री रामावतार शास्त्री : आप कुछ तो कहिए अध्यक्ष जी ।

SHRI GEORGE FRENANDES : You call a meeting of the party leaders and get this matter sorted out. If this House is not concerned about Gujarat then who is ? . . . (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप पहले कह लें फिर मैं कह लूंगा । जब आप पूरा कह लेंगे तब मैं कहूंगा । देखिए ऐसी बात है कि बात की गम्भीरता को मेरे ख्याल में ध्यान में रखना चाहिए । अगर थोड़ा सा भी किसी के दिमाग में होश है तो यह देश की समस्या का समाधान निकलेगा । और नहीं निकलेगा तो हम सब जो बैठे हैं निकालेंगे । आप हर एक बात उत्तेजना से करते हैं । मैंने जिस दिन, पहले दिन, बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई थी उसमें डिस्कस हुआ था, लीडर्स आफ दी ग्रुप्स और पार्टीज के लीडर्स थे सारे के सारे । हमने पहले दिन ही इसको अलाऊ किया था । अब भी मैं इसकी गंभीरता को समझता हूं । इस बात को आज भी समझता हूं कि यह एक घातक कैंसर साबित हो सकता है, देश की सारी की सारी समस्या बिगाड़ सकता है । बापू के देश में, उसके अपने प्रदेश में एक ऐसी बात हो यह जंचने वाली नहीं है । आप जिस तरीके से इसको करना चाहते हैं, मैं चाहता था कि आप पूरा-पूरा अपना जोर इस बात पर देते और गवर्नमेंट भी रिप्लाई इस एड्रेस में आपको देती, उसके बाद कुछ बात रह जाती, आपका मन नहीं भरता तो मैं कल बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी में बात कर लूंगा और We shall find a way out. तो सारी बात हो सकती है । (व्यवधान) इस तरह से आप करेंगे सारे के सारे तो इसका कोई अर्थ सिद्ध नहीं होगा । आपका भी मन उतना ही करता है, जितना उनका करता है, कौन चाहेगा कि देश में आग लगे ? (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : चाहता है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : कौन चाहता है ? (व्यवधान) ऐसा मत करिये, सारे मिल कर इसका समाधान निकालेंगे, तो सारी बातें होंगी । (व्यवधान) ।

श्री राम विलास पासवान : सरकार स्वयं क्यों नहीं करती है ?

अध्यक्ष महोदय : उस दिन मि० मकवाना यहीं थे, उन्होंने इसमें हिस्सा लिया था । (व्यवधान) अब हम कल मीटिंग करेंगे, बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग है ।

SHRI HARIKESH BAHADUR : We want an adjournment motion because it is a censure motion. That is why we want to press it.

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए, (व्यवधान), मैं खड़ा हूं, आप क्यों बोल रहे हैं, क्यों खड़े हैं? (व्यवधान)

यह सारी बातें विचाराधीन हैं । मेरा चैम्बर आपका है, बात करिये सारे मेम्बर्स, पार्टी के लीडर्स कल मेरे पास आयेंगे, हम इसका समाधान निकालेंगे ।

श्री राम विलास पासवान : हमने पहले दिन आपको कहा था कि इस पर कालिंग अटैंशन लीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : 377 लिया है । (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : 377 का कोई मोशन होता है ? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : बैठ जाइए । आप मेरे पास आकर बात कीजिए । (व्यवधान) मैं खड़ा हूं, फिर आप क्यों खड़े हैं ? (व्यवधान)

श्री रशीद मसूद : एडजार्नमेंट मोशन के मुकाबले में कालिंग अटैंशन कोई चीज नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : एडजार्नमेंट मोशन नहीं हो सकता है । आप पढ़ें सारे रूल्स, आप मेरी जगह पर होते तो आप भी वही फैसला देते, जो मैं दे रहा हूं । आप भी नहीं कर सकते थे । लेकिन इसका समाधान निकालेंगे, आप मेरे पास आइए, हम कल देखेंगे । (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : उसमें आने की क्या बात है ? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जवाब तो सुनिए कल ।

एक माननीय सदस्य : वह जवाब कहां दे रहे हैं ?

अध्यक्ष महोदय : देंगे (व्यवधान)

श्री रशीद मसूद : आज आप बयान निकलवा दीजिए ।

अध्यक्ष महोदय : आप बोल लेंगे तो जवाब देंगे । आप कुछ तो कहिए, बाकी रहेगा तो फिर देखेंगे । (व्यवधान) लीडर्स यहां हैं, समझते क्यों नहीं हैं सारे ?

श्री जार्ज फर्नान्डीस : क्यों नहीं आज क्वैश्चन आवर के बाद बुला लेते हैं ?

अध्यक्ष महोदय : आज आप बोलिए, जो कुछ बोलना चाहते हैं और कल उनको जवाब देने दीजिए, फिर देखेंगे, कल हम बात करेंगे ।

एक माननीय सदस्य : आज हमको मौका दीजिए बोलने का ।

अध्यक्ष महोदय : आज बोल तो रहे हैं, प्रेजीडेंट एड्रेस पर । (व्यवधान) किसे रोका क्यों नहीं बोलते ?

श्री जार्ज फर्नान्डीस : इसको उसके साथ क्लब मत करिये, अध्यक्ष जी ।

अध्यक्ष महोदय : आप बात कह नहीं सकते, अपनी चलाते हैं (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : आप डायरेक्ट कीजिये । (व्यवधान)

श्री राम विलास पासवान : अध्यक्ष जी, हम चाहते हैं इसका निदान, आप सरकार से जवाब दिलवाइये ।

अध्यक्ष महोदय : आप इसे उठायेंगे, तभी तो जवाब देंगे ।

श्री रशीद मसूद : कोई तरीका छोड़ा नहीं गया है । (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Without my permission, nothing should go on record.

(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आज आप बोलिए । फिर मैं आपसे बात करूंगा । (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Why don't you do something about this ? Why are you trying to do like this ? All the time will be wasted like the (*Interruptions*). Now, no question.

SHRI RATANSINH RAJDA : Mr. Speaker, Sir, an extraordinary situation has arisen in Gujarat. It is because of strained relationship between Mr. Makwana and the Chief Minister, they are at daggers' drawn. (*Interruptions*). The Government can bring the situation under control. If these two Ministers, one at the Centre and the other the Chief Minister, are brought together by the Prime Minister to put an end to the entire trouble, it will be better. Every day plenty of lives are being knocked out. This is a very serious matter and you, as the Speaker, can use your good offices and ask the Central Government to bring the situation under control.

अध्यक्ष महोदय : आपने मेरी बात नहीं सुनी कि मैंने क्या कहा है । हम सब बैठेंगे और इस बारे में बात करेंगे । मैं चाहता हूं कि आप इस समस्या को हाईलाइट करें । फिर मैं आपका समाधान करूंगा । गवर्नमेंट की तरफ से कल जवाब दिया जायेगा । क्या गुजरात का जिक्र नहीं किया गया है ?

SHRI RATANSINH RAJDA: This is a very extraordinary situation. There young people are dying every day.

(*Interruptions*)

SHRI GEORGE FERNANDES : My point is that the situation in Gujarat calls for some kind of unanimity in this House.

अध्यक्ष महोदय : मैं बिल्कुल यही चाहता हूं ।

SHRI GEORGE FERNANDES : Sir, the President's Address is an issue on which there will be no unanimity. We are at daggers' drawn.

MR. SPEAKER : On this point there will be.

SHRI GEORGE FERNANDES : No, Sir. As my hon. freind pointed out, the issue is one of a fight between the Chief Minister and the Minister of State for Home Affairs. The government has got to take some initiative.

SHRI RATANSINGH RAJDA : Because of that situation, there is conflagration in Gujarat and people are dying and there is a class and caste war.

MR. SPEAKER : Nothing.

SHRI RATANSINH RAJDA : It should be nipped in the bud.

(*Interruptions*)

SHRI GEORGE FERNANDES : The Government must take initiative in this.

अध्यक्ष महोदय : आप काम चलने दीजिए । हम बैठेंगे ।

SHRI GEORGE FERNANDES : Therefore, you call a meeting of the leaders of all the parties.

अध्यक्ष महोदय : कल मीटिंग हो रही है ।

श्री जार्ज फर्नान्डीस : आप आज मीटिंग बुलाइए । मेरी प्रार्थना है कि

You call a meeting of all the parties and get the issue sorted out.

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Nothing should be recorded without my permission.

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : इस तरह से धींगा-मुश्ती से काम नहीं चलेगा ।

DR. SUBRAMANIAM SWAMY : It is not at all that the Opposition are trying to be uncooperative. In fact there is a rule and if we use that rule, you will be forced to give us time and it is the rule of moving a No-confidence motion. Fifty Members giving it to you, you have to give us time.

**Not recorded

But we do not want the House to stop working. We want the time fixed for it because this is an issue on which the whole country wants to know what the Parliament is thinking and we are the custodians as far as the Harijans are concerned. So, I want you to give it a priority. I know you are keen on discussion.....

अध्यक्ष महोदय : मैंने यही कहा है कि पहले आप इस पर बहस कर लीजिए । अगर बात नहीं बनती है, तो मैं आपकी बात सुनूंगा ।

(*Interruptions*)

MR. Speaker : More than half-an-hour has passed.

(*Interruptions*)

PROF. MADHU DANDAVATE : Mr. Speaker Sir, I would like to make one suggestion.

He has made a very constructive suggestion. He suggested that after 12 O'Clock or now you can actually direct the government to make a statement. In the President's Address there is no reference to the situation in Gujarat at all. I would request you that you can ask the Government to make a statement. In the past you had done that. I am quoting your own precedent. You have sometimes directed the Treasury Benches to come out with the statement on sensitive subjects so that tension can be relieved.

(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : परसों बैठे थे तो आप ने करवाया था न ?

PROF. MADHU DANDAVATE : Let me complete my submission in half a minute.

You yourself just now said it is a very important issue. It concerns both sides of the House. It concerns the entire country. Therefore, you can ask the Treasury Benches tocome out with some statement on the situation in Gujarat and what step being taken to see that the tension is relieved. I think if that is done, after the opposition Members..... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं आप से एक बात कहना चाहता था । मैंने बार बार कहा है कि कल हम बिजनेस ऐडवाइजरी कमेटी की मीटिंग कर रहे हैं ।

(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : चालीस मिनट जाया हो गए ।

(*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Why do you not come and talk to me.

(*Interruptions*)

PROF. MADHU DANDAVATE : Mr. Speaker, Sir, whenever there is a serious railway accident, *suo motu* statement is made by the Railway Minister . When even there is any important development in External affairs, *suo motu* statement by the External Affairs Ministers is made. This is a concern of both the sides of the House. Let the Home Minister make a statement clearifying the position in Gujarat and what are being taken to see that the tension is relieved. If that is done, the tension can be relieved. (*Interruptions*)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS & WORKS AND HOUSING (SHRI BHISHMA-NARAIN SINGH :) Let me consult the Home Minister. I will let you know in zero hour.

11.40 hrs.

SHRI D.P. YADAV : The extraction of coal is directly related to the supply of coal to the Super Thermal Power Station at Kahalgaon. last week, the hon. Minister had said that the techno-economic appraisal for the Kahalgaon Super Thermal Power Station has not been completed even after four months and, since the supply of Coal is linked with the techno-economic appraisal, I would like to know specifically, the date by which the techno-economic appraisal for the Kahalgaon Power Station is going to be completed, so that the extraction of coal may run according to schedule.

SHRI VIKRAM MAHAJAN : We are expecting that the first unit of the Kahalgaon Power Station will come into commission and will start its operation by 1986-87 and very shortly the work is going to start. Only the C E.A has to to clear it. Wth'n two or three months the whole exercise will be over.

SHRI D.P. YADAV : It is a vague answer. I want to know specifically when the techno-economic appraisal will be completed.

SHRI VIKRAM MAHAJAN : I can not given an exact date. When I have said, two or three months, it means, very shortly.

SHRI D. P. YADAV : Since the Lalmatia area will be needing a huge quantity of water, not one or two cusecs but thousands of cusecs, what action has the Government initiated for procuring water, whether it is river water or underground water, and what is the system of supply of water for this project ?

SHRI VIKRAM MAHAJAN : The water problem is being examined and that is the reason why there is a slight delay. Otherwise, it would have been cleared by now.

SHRI D. P. YADAV : The water problem is a very important problem.

SHRI VIKRAM MAHAJAN : It is being examined.

SHRI D. P. YADAV : You have already started the work in Lalmatia area. Without solving the water problem. How have you started the work ?

SHRI VIKRAM MAHAJAN : The hon. Member should be clear in his mind that when we start a mine, the actual mine commissioning starts three or four years later. We are sorting out the problems. There is no such insurmountable problem that we cannot sort out. I only say that it is being examined and it is being sorted out.

श्रीमती कृष्णा साही : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि बरौनी और मुजफ्फरपुर थर्मल पावर स्टेशन में रसमहल से कोयला सप्लाई होना है तो उस कोयले के ट्रांसपोर्टेशन के लिए क्या इन्होंने रेल मंत्रालय से विचार-विमर्श किया है कि किस तरह से रेल की सुविधा प्रदान की जाएगी ताकि ललमटिया से कहलगांव और बरौनी मुजफ्फरपुर में कोयले की सप्लाई की जा सके ? दूसरी बात मैं यह जानना चाहती हूं कि कितने कोयले की सप्लाई की जाएगी ? (व्यवधान) बरौनी मुजफ्फरपुर में कितने कोयले की सप्लाई होगी और दूसरी बात यह कि उसका ट्रांसपोर्टेशन कैसे होगा— यह मैं जानना चाहती हूं ।

SHRI VIKRAM MAHAJAN : So far as the Rajmahal mines are concerned, basically, the Rajmahal mines are meant for Farakka and Kahalgaon. So far as Barauni is concerned, if the hon. Member puts a separate question, I will give the information.

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष जी, मंत्री जी के जवाब से ऐसा लगता है कि इस प्रश्न की गम्भीरता का उन्हें भान नहीं है । आप देखेंगे, इसीलिए उन्होंने कज्यूअल जवाब दिया है । लालमटिया की तो बात की है, लेकिन प्रश्न के एक पार्ट में दूसरों की बात कही गई है, जिसके बारे में उन्होंने जिक्र तक नहीं किया है । अध्यक्ष जी, मैं इस संदर्भ में जानना चाहता हूं कि बिहार में कितनी बिजली की जरूरत है और क्या मंत्री जी ये बताने की कृपा करेंगे कि उसको कितनी बिजली मिल पाती है ? बिहार एक ऐसा बदकिस्मत प्रदेश है, जहां पर प्रति-व्यक्ति कम से कम बिजली मिलती है । क्या मंत्री जी यह भी देखेंगे कि वहां के जो पावर प्रोजेक्टस हों, उसको प्रायोरिटी दी जाए और उसको जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए ?

श्री विक्रम महाजन : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य महोदय ने कहा ठीक है कि बिहार में बिजली का संकट है, लेकिन कोशिश की जा रही है कि बिहार को ज्यादा से ज्यादा बिजली दी जाए और यह उम्मीद की जा रही है कि अगले छः-सात सालों में बिहार की जो बिजली की प्रेजेंट कैपेसिटी है, उसको थ्री-टाइम्स ज्यादा बढ़ाया जाए । यह जो डवेलपमेंट है, उसमें बिहार को सब से ज्यादा परसेंटेज दिया जाएगा ।

श्री रामावतार शास्त्री : अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि कहलगांव थर्मल पावर के लिए किसानों से कुल कितनी जमीन अर्जित की गई है और क्या किसानों को जो मुआवजा मिलना था, वह पूरा का पूरा मिल गया है ? अगर मिला है, तो किस रेट में

और अभी तक बाकी है, तो सरकार पूरा चुकता कब तक कर देना चाहती है ?

श्री विक्रम महाजन : जहां तक कहलगांव पावर स्टेशन का ताल्लुक है, वहां अभी जमीन का एक्वीजिशन शुरु नहीं हुआ है। जहां तक राजमहल के माइन का सवाल है, वहां पर एक्वीजिशन शुरू हो गया है और सरकार की पॉलिसी है कि उनको मार्केट वैल्यू दी जाएगी और जिन जमींदारों या किसानों से हम जमीन एक्वायर करेंगे, कोशिश की जाएगी कि उनको कोल-माइन में नौकरी भी दी जाए ।

भू-तापीय ऊर्जा पर आधारित तापीय विद्युत केन्द्र की स्थापना

*102. **श्री दौलत राम सारण** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मालूम है कि सोवियत रूस में स्टैवरोपोल क्षेत्र में भू-तापीय ऊर्जा की सहायता से 10,000 कि० वाट क्षमता वाले एक तापीय विद्युत् केन्द्र की स्थापना की जा रही है और टर्बाइन को चलाने के लिए 4–5 किलोमीटर की गहराई पर 170°–180° सेंटीग्रेड उच्च दाब वाली गर्म पानी की भाप का प्रयोग किया जाएगा ;

(ख) क्या इस प्रकार का परीक्षण भारत में भी करने की कोई योजना है और क्या इसके लिए भारत में काफी क्षमता उपलब्ध है; और

(ग) विद्युत् उत्पादन का किस पद्धति पर अनुसंधान किया जा रहा है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) से (ग). विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRI VIKRAM MAHAJAN) : (a) to (C). A statement is laid on the Table of the House.

Statement

Setting up a thermal power station based on Geo-Thermal Energy

(a) : No, Sir. The Government have no information about the setting of a geo-thermal project in Stavropol area of Soviet Russia.

(b) & (c). Keeping in view the presently assessed geo-thermal potential, two pilot investingation projects in the Parbati and Puja Valleys to make a detailed assessment of geo-thermal potential, are under implementation in this country. From the present indications of geo-thermal potential in the Parbati Va ley, there does not seem to be potential for generating electric power because of the comparatively lower temperature of the geo-thermal steam. The investigation in the Puga Valley have not reached the stage to assess the potential in a reliable manner. The research and development efforts in geo-thermal prospecting and development are also being directed to utilise the heat energy for other purposes like cold storage plants and other industrial applications. Further, investigations for geo-thermal energy are also being directed to locate promising hydro-therm reservoirs which may have a future potential for power generation.

श्री दौलत राम सारण : अध्यक्ष जी, मुझे आश्चर्य है कि मैंने अपने प्रश्न के 'क' में पूछा है कि रूस में स्टैवरोपोल क्षेत्र में भू-तापीय ऊर्जा के लिए एक बड़ा प्रोजेक्ट लगा रहे हैं, क्या इस सम्बन्ध में सरकार को जानकारी है ? यदि नहीं है, तो यह प्रश्न जाने के बाद जानकारी की जा सकती थी । लेकिन इन्होंने इसका उत्तर न में दिया है । दूसरे पार्ट में मैंने पूछा है कि क्या इसके लिए भारत में काफी क्षमता उपलब्ध है ? लेकिन उसका कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया है । तीसरे पार्ट "ग" में मैंने पूछा है कि विद्युत् उत्पादन का किस पद्धति पर अनुसंधान किया जा रहा है ? इस सम्बन्ध में भी थोड़ी सी बात कही गई है ?